पाठ 17. बिरसा मुंडा (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। इस पाठ में झारखंड क्षेत्र में भगवान के रूप में पूजे जाने वाले 'बिरसा मुंडा' की जीवनी दी गई है। यह विस्तार से बताया गया है कि बिरसा मुंडा ने किस प्रकार अंग्रेज़ों से लोहा लेकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया था।

अध्यापन संकेत

यह पाठ मौखिक पठन के लिए है। बच्चों का बिरसा मुंडा की विस्तृत जीवनी से परिचय करवाएँ। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े कुछ प्रश्न भी बनवाए जा सकते हैं। ऐसी क्या बात है कि कुछ लोग जीते जी ही भगवान की तरह पूजे जाने लगते हैं, इस विषय पर बच्चों की राय जानने की चेष्टा करें। बच्चों की राय अलग-अलग हो सकती है अंत में उनकी रायों को साझा करें और एक सर्वमान्य राय बनाकर उसपर परिचर्चा करवाई जा सकती है।